महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष – 1
अंक – 5
दिसम्बर, 2023

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर

coordinator.nss@mgug.ac.in
mguniversitygkp@mgug.ac.in
www.mgug.ac.in

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

सम्पादक मण्डल

डॉ. विकाश कुमार यादव

सहायक आचार्य

कृषि संकाय

डॉ. हरी कृष्ण

सहायक आचार्य

कृषि संकाय

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्वविद्यालय संगठन

कुलपति : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई
कुलसचिव : डॉ. प्रदीप कुमार राव
कार्यक्रम समन्वयक : डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

इकाई एवं कार्यक्रम अधिकारी

इकाई सं0	इकाई कोड	इकाई का नाम	कार्यक्रम अधिकारी का नाम
1	UP-80/001/23/001	पारिजात इकाई	डॉ. विकाश कुमार यादव
2	UP-80/002/23/101	अष्टवक्र इकाई	,,,,,,,
3	UP-80/003/23/201	आर्यभट्ट इकाई	श्री धनन्जय पाण्डेय
4	UP-80/004/23/301	माता सबरी इकाई	.....
5	UP-80/005/23/401	नचिकेता इकाई	सुश्री सुप्रिया गुप्ता
6	UP-80/006/23/501	माता अनुसूइया इकाई	.....
7	UP-80/007/23/601	गार्गी इकाई	.....
8	UP-80/008/23/701	मैत्रयी इकाई	.....

राष्ट्रीय कैडेट कोर

101 यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन, गोरखपुर

केयर टेकर ऑफिसर : डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव
एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर : डॉ. हरी कृष्ण

‘सेवा पथ’

‘सेवा पथ’ एक मासिक ई–पत्रिका है, जिसका प्रकाशन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित **‘राष्ट्रीय सेवा योजना’** एवं **‘राष्ट्रीय कैडट कोर’** के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं विश्वविद्यालय के बाहर दिए जा रहे योगदान, सामाजिक सेवा, समाज के उत्थान हेतु किए जा रहे कार्यों इत्यादि का संकलन किया गया है। **‘सेवा पथ’** मासिक ई–पत्रिका का **प्रथम संस्करण** माह **अगस्त 2023** में प्रकाशित किया गया था, जिसमें केवल **‘राष्ट्रीय सेवा योजना’** द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो एवं क्रियाकलापों को संकलन किया गया था। किन्तु आगे की कड़ी में बढ़ते हुए इस माह की मासिक ई–पात्रिक के **‘चतुर्थ संस्करण’** में राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ–साथ राष्ट्रीय कैडट कोर की इकाई के द्वारा किए जा रहे गतिविधियों को भी शामिल किया जा रहा है।

इस मासिक ई–पत्रिका का नाम **‘सेवा पथ’** शब्द सामाजिक सेवा और सामाजिक उत्कृष्टता की प्रवृत्ति की ओर केन्द्रित है। यह एक व्यक्ति या समूह का उद्दीपन करता है जो समाज में सेवा करने के लिए समर्पित है। **‘सेवा पथ’** का आशय है कि व्यक्ति या समूह अपने कौशल, समर्पण की भावना से समाज की सेवा करें व दूसरों को भी सेवा करने के लिए उद्दीपित करता है। व्यक्ति या समूह जो सेवा पथ पर होता है, वे सामाजिक समस्याओं की पहचान करने के साथ–साथ समाधान ढूंढने और उन्हें सुलझाने में योगदान करता है। सामाजिक सेवा के माध्यम से, सेवा पथ से जुड़े व्यक्ति या समूह समृद्धि, समर्पण और सामाजिक न्याय की ओर प्रबल कदम बढ़ाता है।

इस तरह **‘सेवा पथ’** एक मार्गदर्शक शब्द है जो सेवा और समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सभी को प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना एक नजर में...

भारत में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा छात्रों का प्रथम कर्तव्य उनके अध्ययन की अवधि को केवल बौद्धिक ज्ञान तक ही सीमित न रखकर स्वयं को ऐसे व्यक्तियों की सेवा में समर्पित करना है जिन्हें राष्ट्र की वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता हो और उन्हें हमारे देश की आवश्यक वस्तुएं प्रदान की जा सके, जो कि समाज के लिए अतिआवश्यक है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् डॉ. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में स्वैच्छिक आधार पर शैक्षिक संस्थाओं में **''राष्ट्रीय सेवा''** आरम्भ करने की सिफारिश की गयी थी। सन् 1959 में शिक्षा मंत्री के सम्मेलन के समक्ष योजना का एक मसौदा रखा गया। इस दिशा में सटीक सुझाव देने के लिए **28 अगस्त, 1959** को **डॉ. सी. डी. देशमुख** की अध्यक्षता में एक **''राष्ट्रीय सेवा समिति''** का गठन किया गया।

सन् 1960 में भारत सरकार की पहलता पर प्रो. के.जी. सैय्यदेन ने विश्व के कई देशों में छात्रों द्वारा क्रियान्वित **''राष्ट्रीय सेवा''** का अध्ययन किया और कई सिफारिशों के साथ सरकार को युवाओं के लिए **''राष्ट्रीय सेवा''** शीर्षक के तहत अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. डी.एस. कोठारी (1964–66) की अध्यक्षता में शिक्षा आयोग ने यह सिफारिश दी की शिक्षा के सभी स्तरों पर छात्रों को सामाजिक सेवा के किसी रूप से जोड़ा जाना चाहिए। इस पर अप्रैल, 1967 में राज्य शिक्षा मंत्री द्वारा उनके सम्मेलन के दौरान विचार किया गया की **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस.एस.) नामक एक नया कार्यक्रम प्रदान किया जा सकता है। सितम्बर, 1969 में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति के सम्मेलन में इस सिफारिश का स्वागत किया गया।

मई. 1969 में शिक्षा मंत्रालय तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थाओं के छात्र प्रतिनिधियों के सम्मेलन में घोषणा की गई कि **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** राष्ट्रीय एकता के लिए सशक्त माध्यम हो सकती है। 24 सितम्बर, 1969 को तत्कालीन शिक्षामंत्री डॉ. वी.के. आर.वी. राव ने सभी राज्यों को शामिल करते हुए 37 विश्वविद्यालयों में **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस.एस.) कार्यक्रम आरंभ किया। जिसका प्रथम उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना ही नही अपितु **'सेवा के माध्यम से शिक्षा देना'** ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य है।

आज राष्ट्रीय सेवा योजना विश्व भर में राष्ट्रीय विकास, सेवा, शांति, राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने वाले छात्र समूह की सबसे बड़े रचनात्मक संगठन के रूप में हमारे सामने है। राष्ट्रीय सेवा योजना ने अपने गौरवशाली वर्षों में युवा जागरुकता, राष्ट्र निर्माण और विश्व शांति के लिए अनेकानेक कार्यक्रमों के साथ अपनी पहचान बनाई है। ऐसे महान संगठन में आपका स्वागत है।

आइए! हम सब मिलकर एक समृद्ध राष्ट्र, एक विकसित राष्ट्र, एक जागृत राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।

जय हिंद, जय भारत।

कार्ययोजना

राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान कर उनके व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्त्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा उपयोगी नागरिक के रूप में सवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना से प्राप्त प्रमाण–पत्र स्वयं सेवकों के अच्छे भविष्य के निर्माण में सहायक हैं। विद्यार्थी शासकीय तथा गैर शासकीय सेवाओं में इन प्रमाण–पत्रों का प्रयोग कर सकते हैं। उच्चतर कक्षाओं के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमाण–पत्र धारक छात्रों को अतिरिक्त बोनस अंक भी दिये जाते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दो प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन होते हैं :–

1. सामान्य कार्यक्रम 2. विशेष शिविर कार्यक्रम

1.सामान्य कार्यक्रम :–

सामान्य कार्यक्रम के अन्तर्गत **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** में पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को स्वयं सेवक के रूप में एक वर्ष में कम से कम 120 घंटे का समाज सेवा कार्य करना पड़ता है और दो वर्ष की अवधि में अर्थात् 240 घंटे का समाज सेवा कार्य पूरा करने पर उसे विश्वविद्यालय / महाविद्यालय से प्रमाण पत्र दिया जाता है।

2. विशेष शिविर कार्यक्रमः–

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रत्येक इकाई द्वारा वर्ष में एक दस दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर विश्वविद्यालय महाविद्यालय के निकट किसी ग्राम में लगाया जाता है। विशेष शिविर में शिविर अनुभव भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी शिविर जीवन का अनुभव प्राप्त करते हैं तथा एक अच्छे नागरिक के कर्त्तव्य का पालन एवं समाज के लिए वे क्या सेवा कर सकते हैं इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाईयों द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं स्त्रोतों और कुशल व्यक्तियों को देखते हुए विविध प्रकार के कार्यक्रम अभिग्रहित क्षेत्रों में लिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थीगण अन्य क्षेत्रों में भी कार्य के लिए स्वतंत्र होंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ होती हैं–

- शिक्षा एवं मनोरंजन इसके अन्तर्गत साक्षरता, स्कूली शिक्षा पाठशाला छोड़ने वाले बच्चों की शिक्षा बालगृहों में कार्यशाला प्रवेश कार्यक्रम सांस्कृतिक गतिविधियाँ ग्रामीण एवं देशी खेलकूद सामाजिक बुराईयों के उन्मूलन पर चर्चाएं एवं जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन मुख्य है।

- आपातकाल के कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से लोगों को उनकी असहायता पर काबू पाने योग्य बनाने के लिए उनके साथ मिलकर कार्य करने सम्बन्धी कार्यक्रमों पर जोर देना चाहिए। इसके अलावा प्राकृतिक विपदाओं जैसे– भूकम्प, बाढ, तूफान आदि के आने पर सहायता और पुन्रर्वास कार्यो में स्थानीय लोगों अधिकारियों संस्थाओं को सहयोग देना प्रमुख हैं।

- पर्यावरण संवर्धन एवं परिक्षण ऐतिहासिक स्मारकों पुरावशेषों व अन्य सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं उनके प्रति चेतना पैदा करना पर्यावरण के प्रति समाज में चेतना जागृत करना वृक्षारोपण उनका बचाव और अनुरक्षण स्वच्छता के लिए सड़कों गलियों नालियों तालाबों पोखरों कुओं आदि की सफाई भूमि क्षरण की रोकथाम तथा भूमि सुधार गोबर गैस संयत्र सौर ऊर्जा के प्रयोग का प्रचार करना।

- स्वास्थ्य, परिवार, कल्याण और आहार पोषण कार्यक्रम, टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल जनसंख्या शिक्षा और परिवार कल्याण रोगियों अनाथों वृद्धों की सहायता स्वच्छ पेयजल के प्रदाय की व्यवस्था एकीकृत बाल विकास तथा पौष्टिक आहार कार्यक्रमों का संचालन करना।

- महिलाओं के स्तर सुधार के कार्यक्रम महिलाओं की शिक्षा तथा उन्हें अपने संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत करना उनके सशक्तीकरण के उपाय सुझाना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम संचालित करना।

- उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम उन्नत कृषि के तरीकों की जानकारी कीट व खरपतवार नियंत्रण भूमि परिक्षण एवं उपजाऊपन की देखभाल कृषि यंत्रों की देखभाल सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण और उनके प्रोत्साहन के लिए फार्म पशु पालन कुक्कुट पालन पशु स्वास्थ्य के बारे में सहायता एवं मार्गदर्शन कृषि तकनीकों के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना आदि।

- अन्य गतिविधियाँ जो स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के आधार पर की जाएँ।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है। अकादमिक स्तर पर विद्यार्थियों को सैन्य प्रशिक्षण देकर राष्ट्र संकल्प की प्रेरणा देता है। एन.सी.सी. का लक्ष्य युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करना है। साथ ही सशक्त राष्ट्र के निर्माण में युवाओं में नेतृत्व गुणों का विकास करना है। राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल एवं प्रेरित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर की यूनिट जुलाई 2023 में अनुशंसित हुई। कड़ी चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर के प्रथम सत्र में 36 कैडेट्स का चयन किया गया। कुशल संचालन के लिए ए.एन.ओ. डॉ. हरी कृष्ण एवं सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव को कैडेट्स के प्रशिक्षण एवं विविध गतिविधियों के संचालन का दायित्व प्रदान किया गया है जिनके कुशल मार्गदर्शन कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण का अभ्यास कर रहे हैं ।

कैडेट्स राष्ट्रीय कैडेट्स कोर के मूल संकल्प एकता और अनुशासन के साथ अखंड भारत के संकल्प को पूर्ण करने का सौभाग्य ग्रहण कर रहे है। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। एनसीसी का अहम लक्ष्य शिक्षा के साथ युवाओं को सैन्य अनुशासन का अभ्यास कराके देश की रक्षार्थ प्रेरणा देना है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर एक दृष्टि में...

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) भारतीय सैन्य कैडेट कोर है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह एक स्वैच्छिक संस्था है जो पूरे भारत के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कैडेटों की भर्ती करती है। कैडेटों को परेड एवं छोटे हथियार चलाने का बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। अधिकारियों और कैडेटों को पाठ्यक्रम पूरा करने पर सक्रिय सैन्य सेवा में जाने की कोई बाध्यता नहीं होती है, किन्तु एनसीसी के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर उन्हें चयन के समय सामान्य अभ्यर्थियों की अपेक्षा वरीयता दी जाती है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर का इतिहास

राष्ट्रीय कैडेट कोर थल सेना, नौसेना और वायुसेना के सम्मिलन वाला एक त्रिसेवा संगठन है जो देश के युवाओं को संवार कर अनुशासित और देशभक्त नागरिकों में ढाल देता है। एनसीसी की उत्पत्ति को यूनिवर्सिटी कोर के साथ जोड़ा जा सकता है जिसकी स्थापना भारतीय रक्षा अधिनियम 1917 के तहत थल सेना में सैनिकों की कमी को पूरा करने के लिए की गई थी। 1920 में जब भारतीय प्रादेशिक अधिनियम पारित किया गया तो इस यूनिवर्सिटी कोर को यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग कोर (UTC) में बदल दिया गया। इसका उद्देश्य यूटीसी की स्थिति सुधारना और इसे युवाओं के लिए अधिक आकर्षक बनाना था। यूटीसी अधिकारी और कैडेट सेना जैसी वर्दी पहनते थे। यह सशस्त्र सेनाओं के भारतीयकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। 1942 में यूटीसी का नाम बदलकर यूनिवर्सिटी ऑफिसर्स ट्रेनिंग कोर (UOTC) रखा गया।

एनसीसी भारत में नेशनल कैडेट कोर एक्ट, 1948 द्वारा गठित किया गया। इसकी स्थापना 15 जुलाई, 1948 को हुई। एनसीसी को यूओटीसी का उत्तराधिकारी माना जा सकता है जिसकी स्थापना ब्रिटिश सरकार द्वारा 1942 में की गई थी। स्वतंत्र भारत में युद्ध और शांति के समय युवाओं को सैन्य अकादमिक

प्रशिक्षण देकर राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करना था। पंडित हृदयनाथ कुंजरू की अध्यक्षता में स्कूलों व कॉलेजों में राष्ट्रीय स्तर के एक कैडेट संगठन की स्थापना की सिफारिश की। 15 जुलाई, 1948 को राष्ट्रीय कैडेट कोर एक्ट गवर्नर जनरल द्वारा स्वीकार कर लिया गया और इसके साथ ही राष्ट्रीय कैडेट कोर अस्तित्व में आया।

पाकिस्तान के साथ 1965 और 1971 के युद्धों में एनसीसी कैडेट रक्षा की दूसरी पंक्ति में थे। उन्होंने आयुध निर्माणियों की मदद के लिए शिविर आयोजित किये, युद्धस्थल पर हथियार और गोला–बारूद पहुँचाए और शत्रु सेना के पैराट्रूपर्स को पकड़ने वाले गश्ती दलों की तरह कार्य किया। एनसीसी कैडेटों ने नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के साथ कधे से कंधा मिलाकर कार्य किया और सक्रिय रूप से बचाव कार्य और यातायात नियंत्रण में भाग लिया। 1965 और 1971 के भारत.पाक युद्धों के पश्चात एनसीसी के पाठ्यक्रम में संशोधन किये गए। केवल रक्षा की द्वितीय पंक्ति होने के बजाय अब इसमें नेतृत्व के गुणों और अधिकारियों जैसे गुणों के विकास पर अधिक बल दिया जाने लगा।

कोर की शुरुआत वरिष्ठ वर्ग के 32.500 और कनिष्ठ वर्ग के 1,35,000 कैडेटों के साथ हुई थी। तब से यह बहुत तेजी से बढ़ी है और अधिकृत कैडेट संख्या अब 1420 लाख तक पहुँच चुकी है। हालांकि यह संख्या अपने आप में काफी महत्वपूर्ण है, फिर भी यह देश के भर्ती योग्य विद्यार्थियों की संख्या का लगभग केवल 3.5 प्रतिशत ही है। एनसीसी की 814 इकाइयों का जाल 4829 कॉलेजों और 12545 विद्यालयों द्वारा संपूर्ण भारत में फैला हुआ है।

एनसीसी को अंतर्सेवा छवि तब प्राप्त हुई जब 1950 में इसमें वायु स्कंध और 1952 में नौसेना स्कंध को भी जोड़ा गया। स्कूल के विद्यार्थियों (कनिष्ठ वर्ग) को प्राथमिक सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था जबकि कॉलेज के विद्यार्थियों (वरिष्ठ वर्ग) को सशस्त्र सेना के संभावित अधिकारी के रूप में प्रशिक्षित किया जाता था। इस प्रयोजन हेतु आर्मर्ड कोर, आर्टिलरी, इजीनियर्स, सिग्नल्स, इफैंटरी और मेडिकल कोर की इकाइयों की स्थापना एनसीसी में की गई।

1960 तक, संपूर्ण भारत के स्कूल–कॉलेजों में एनसीसी की इकाइयों की माँग बहुत बढ़ गई थी। इस बढ़ती हुई माँग को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर राइफल्स (NCCR) की स्थापना की गई। 1962 के चीन के आक्रमण के बाद संपूर्ण देश में एनसीसी को अनिवार्य बना देने की माँग उठी। फलस्वरूप 1963 में कॉलेज के प्रथम तीन वर्षों में 16 से 25 वर्ष की आयु के सभी सक्षम शरीर वाले युवाओं के लिए एनसीसी प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया।

1986 में भारत सरकार ने थपन समिति को एनसीसी के लक्ष्यों और उद्देश्यों के संदर्भ में इसके कामकाज का पुर्नमूल्यांकन करने के आदेश दिये। लेफ्टिनेंटे जनरल (रिटायर्ड) एम. एल. थपन (PVC) की अध्यक्षता वाली इस समिति ने अपनी रिपोर्ट जून, 1988 में पेश की। थपन समिति के सुझावों के अनुरूप सरकार ने 1992 में एनसीसी के लक्ष्यों को संशोधित रूप में अनुमोदित किया। जो निम्नवत है–

(i) देश के युवाओं में चरित्र, साहस, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहसिक अभियानो, खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों एवं गुणों का विकास करना जिससे कि वे उपयोगी नागरिक बन सकें।

(ii) संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो कि सशस्त्र बलों के साथ.साथ जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश की सेवा के लिए तत्पर रहें।

रक्षा मंत्रालय द्वारा मार्च 2001 में अनुमोदित किये गए एनसीसी के लक्ष्य इस प्रकार है (1) देश के युवाओं के चरित्र भाई–चारे अनुशासन, नेतृत्व धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण साहसिक अभियानों में रुचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।

(iii) संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्र नेतृत्व प्रदान कर सके और देशसेवा के लिए तत्पर रहें।

(a) सशस्त्र बलों में अपना कैरियर शुरू करने के लिए युवाओं को प्रेरित करने के से तैयार करना।

एनसीसी का आदर्श वाक्य (Motto)

एकता और अनुशासन (Unity and Discipline)

महानिदेशक के चार आधारभूत सिद्धांत :

1. मुस्कान के साथ आज्ञापालन करो
2. समयनिष्ठ रहो
3. निःसंकोच कठिन परिश्रम करो
4. बहाने मत बनाओ और झूठ मत बोलो

एनसीसी के वर्तमान लक्ष्य :

1. देश के युवाओं के चरित्र, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व, धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण, साहसिक अभियान में रूचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।
2. संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश सेवा के लिए समर्पित रहें।

शपथ : ''मैं सत्यनिष्ठा से लेता/लेती हूँ कि पूरी सच्चाई और श्रद्धा से अपनी मातृभूमि की सेवा करूँगा/करूँगी और एनसीसी के सभी नियमों और अधिनियमों का पालन करूगाँ/करूँगी। इसके अलावा, अपने कमांडिंग ऑफिसर के आदेश और नियंत्रण के अनुसार प्रत्येक परेड और कैम्प में पूरी शक्ति के साथ हिस्सा लूंगा/लूंगी।''

प्रतिज्ञा : हम राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट बडे सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करते हैं कि हमेशा भारत की एकता को बनाए रखेंगे। हम संकल्प करते हैं कि हम भारत के अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनेगे। हम अपने साथी जीवों के हित में निःस्वार्थ भाव से सामुदायिक सेवा करेंगे।

एड्स दिवस (व्याख्यान कार्यक्रम)

उदय नाथ इकाई

विद्यार्थियों को एड्स के विषय में जानकारी देते डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

दिनांकः **01 दिसम्बर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में 'एड्स दिवस' कार्यक्रम संयोजित किया गया। विषय वक्ता के रूप में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की एड्स के प्रति सजग रहे, रोगी को धिक्कार नही प्यार दें, जिससे पीड़ित व्यक्ति को जीने का अधिकार मिल सके और समाज उसे स्वीकार कर सके। एचआईवी जानलेवा इन्फेक्शन से होने वाली गंभीर बीमारी है। इन्फेक्शन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है, जिससे व्यक्ति सामान्य बीमारियों से लड़ने में सक्षम नहीं हो पाता। इस वर्ष विश्व एड्स दिवस की थीम 'लेट्स कम्यूनिटी लीड' है। राष्ट्रीय सेवा योजना के उदय नाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने छात्रों को जागरूक करते हुए कहा की एड्स पीड़ित व्यक्ति और परिवार के प्रति समाज का दायित्व है कि सकारात्मक सोच से उसे जीने के लिए प्रेरित करें साथ ही समाज में जानकारी के अभाव में हो रहे एड्स के प्रवाह के प्रति अकादमिक स्तर पर भी बातचीत का मंथन होना चाहिए।

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के छात्र नीरज पासवान ने कहा कि एड्स विषय पर हमें अपने विचार और भाव को बदलना चाहिए। जिससे समाज में फैली भ्रांति के प्रति सहज होकर एड्स पीड़ित के प्रति सकारात्मक दृष्टि रखे। माइक्रोबॉयोलॉजी की छात्रा निधि गुप्ता ने कहा कि एड्स से 2020 के आंकड़े का उल्लेख करते हुए कहा कि 37.7 मिलियन लोग एड्स के साथ जी रहे है उनके प्रति समाज का दायित्व है कि उन्हें स्कारात्मक दृष्टि भाव व्यवहार रखें।

बॉयोटेक्नोलॉजी की छात्रा सौम्या सिंह ने एड्स के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करते हुए इसके बचाव और प्रसार के प्रति छात्र–छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्रेया सिंह, नंदनी मोदनवाल, अनमोल पांडेय, अमित पाठक ने अपने विचार रखा। शिवानी यादव, स्वेता गिरी, सलोनी गुप्ता, अर्चिता गुप्ता, आदित्य विश्वकर्मा, दुर्गेश नंदिनी साहनी, खुशी मद्धेशिया, रूबी, प्रिया तिवारी ने सभी को जागरूक किया। आयोजन में प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) सुनील सिंह, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. पवन कनौजिया, डॉ. अखिलेश दूबे श्री अनील मिश्रा उपस्थिति रहें।

विश्व एड्स दिवस

महायोगी मत्स्येंद्रनाथ इकाई

दिनांकः **01 दिसम्बर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की महायोगी मत्स्येंद्रनाथ इकाई के द्वारा विश्व एड्स दिवस पर आयुर्वेद संकाय में व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें अतिथि व्याख्याता के रूप में डॉ. शंकर दयाल उपाध्याय ने छात्रों के मध्य जागरूकता एवं एड्स के लक्षण, परिक्षण, चिकित्सा एवं बचाव हेतु किए जाने वाले आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दीं

इस अवसर पर वरिष्ठ सहप्राध्यापक डॉ. विनम्र शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में चिकित्सीय कार्य के दौरान असावधानीवश एड्स जैसी बीमारियों के संक्रमण व इससे बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला।

विद्यार्थियों को एड्स के विषय में जानकारी देते डॉ. शंकर दयाल उपाध्याय

इस अवसर पर आयुर्वेद संकाय के छात्र रंजीत गुप्ता ईश्वर चंद्र गुप्ता, आशीष चौधरी, जाहन्वी गहलोत, मानसी राय आदि द्वारा ज्ञानवर्धक भाषण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजुनाथ एन.एस. समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

विश्व एड्स दिवस

महायोगी महायोगी संतोषनाथ

दिनांकः **01 दिसम्बर, 2023** को राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी संतोषनाथ द्वारा विश्व एड्स दिवस के अंतर्गत शपथ ग्रहण कराया गया, जिसमें पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में महन्त अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में विश्व एड्स दिवस पर शपथ ग्रहण कराया गया व सूचना पट्ट पर एड्स से संबंधित सूचनात्मक जानकारियां चस्पा की गयी।

विश्व एड्स दिवस पर एड्स के प्रति जागरूकता का शपथ ग्रहण करते विद्यार्थी

कार्यक्रम में पैरामेडिकल विभाग के शिक्षक श्री सोनू कुमार ने छात्र एवं छात्राओं को शपथ दिलाया कि वे शपथ लेते है कि एचआईवी के बारे में अधिक सीखकर और उस ज्ञान को दूसरों के साथ साझा कर एचआईवी कलंक को रोकने की प्रतिज्ञा करता/करती हू। यदि हम सभी अपना योगदान दें, तो हम एक साथ एचआईवी को रोक सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन महायोगी सन्तोषनाथ ईकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुप्रिया गुप्ता ने किया

विश्व एड्स दिवस

गुरू श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

विश्व एड्स दिवस पर व्याख्यान प्रस्तुत करतीं श्रीमती ममता रावत जी

दिनांकः **01 दिसम्बर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरू श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में एड्स दिवस के बारे में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अतिथि वक्ता श्रीमती ममता रावत सहायक प्रोफेसर द्वारा बताया गया जिसमें उन्होंने 'समुदायों को नेतृत्व करने दें, विश्व एड्स डे 2023' थीम के बारे में बताया। ये थीम एड्स की रोकथाम में समाज की अहम भूमिका के बारे में लोगो को जागरूक करने के लिए चुना गया साथ ही एड्स के बचाव में समाज की ओर से दिए महत्वपूर्ण योगदान की सराहना के लिए भी इस थीम को चुना गया है

इस समारोह का समापन शपथ ग्रहण के साथ हुआ। कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर की छात्रा और शिक्षक उपस्थित रहें। कार्यक्रम का आयोजन गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की एसएन, इंचार्ज मिस स्वेता अल्बर्ट और मिस नैंसी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

विश्वविद्यालय राष्ट्रीय कैडेट कोर 101 यू.पी. बटालियन

एन.सी.सी. कैडेट्स : प्रदर्शन

संस्थापक सप्ताह समारोह

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना दिवस पर एनसीसी कैडट्स की सलामी लेते हुए मुख्य अतिथि डॉ. वी. के. सिंह जी

दिनांक : 04 दिसंबर, 2023 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना भारतीय समाज में उत्कृष्ट शिक्षा, सेवा राष्ट्र प्रेम एवं सामाजिक परिवर्तन के उद्देश्यों को लेकर युगद्रष्टा ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने 1932 ई. में की थी। आज यह शैक्षिक पुर्नजागरण की संस्था एक विराट वृक्ष की भाँति अपने छाँव में 50 से अधिक शिक्षण प्रशिक्षण एवं चिकित्सा की संस्थाओं को संचालित कर रही है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद नव भारत निर्माण व राष्ट्र के लिए समर्थ युवा पीढ़ी के सृजन एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा ।

उक्त बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के 91वें संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर आयोजित शोभा यात्रा कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए बतौर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय सेना के पूर्व थल सेनाध्यक्ष, (पीवीएसएमए, वीएसएमए वाईएसएम) (अ.प्रा.) एवं माननीय राज्यमंत्रीए केन्द्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग, भारत सरकार, नई दिल्ली जनरल (डॉ.) वी. के. सिंह जी ने कही। आगे उन्होंने यह भी कहा कि यहां के विद्यार्थी विकसित भारत के कर्णधार हैं। हम सभी को निरन्तर यह प्रयत्न करते रहना चाहिए कि विद्यार्थी देश व समाज के विकास में एक प्रबल स्तम्भ साबित हों। इस शिक्षण संस्थान के कुलगीत तथा हिन्दुआसूर्य महाराणा प्रताप जी के व्यक्तित्व से हम सभी को यह सीख मिलती है कि बाधाएं कितना भी कठिन हो उससे घबड़ाकर कभी पीछे न हटें, बल्कि डटकर के सामना करें। साथ ही जीवन की विभिन्न चुनौतियां, पारिवारिक समस्याओं, समाज व राष्ट्र की समस्याओं के समाधान के लिए निरन्तर लगे रहें। वस्तुतः किसी समाज और राष्ट्र का उत्थान और प्रगतिशीलता वहां की जनता, विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षण संस्थानों के उत्कृष्ट चिन्तन और वैचारिकी से होती है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद समाज व राष्ट्र के बेहतर विकास में मील का पत्थर है।

मुख्य अतिथि ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद भारतीय समाज के शैक्षिक विकास की धुरी है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं द्वारा राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की रक्षा का संकल्प, मातृभूमि के प्रति समर्पण और त्याग, माता–पिता तथा गुरू के प्रति श्रद्धावनत् रहने का भाव सहित भारतीय सांस्कृतिक ज्ञान के साथ नैतिकता एवं मानक मूल्य पढ़ाया जाना राष्ट्रसेवा का एक अभिनव प्रयास है। नई शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्यवन में भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की भूमिका सराहनीय है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों एवं जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन हमारे लिए अनुशासन का पर्व है। अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा इस आयोजन का प्राण है। जनरल वी.के. सिंह निश्चित ही विद्यार्थियों के लिए प्रेरणापुंज हैं। वस्तुतः व्यक्ति को कथनी और करनी के समन्वय की साथ बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना कर सकता है। महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना इसलिए की थी कि शिक्षा के माध्यम से भारतीय समाज को और भी सशक्त बनाया जा सके। आज यह शिक्षा परिषद शिक्षा और समाज के आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी संस्कृति और आदर्शों के साथ ज्ञान और विज्ञान

के क्षेत्र में निरन्तर कार्य कर रही है। इसकी भूमिका सदैव समाज को मार्गदर्शन देती रहेगी ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि अमृत काल में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी जी के पंच प्रण से महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि देश के 142 करोड़ जनसंख्या के साथ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के प्रत्येक शिक्षक, विद्यार्थी उनके परिवार को जुड़कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए भारत के नव निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चत करना चाहिए। आत्मनिर्भर भारत ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा। वास्तव में भारत की सम्पूर्ण आबादी पंचप्रण के लक्ष्यों के साथ जुड़ जाय तो, भारत विश्व के शीर्ष स्थिति पर सदैव बना रहेगा। हम भावी पीढ़ी को अनुशासन एवं शील का पाठ पढ़ाते रहेंगे तथा उनमें भारतीय संस्कृति की ज्ञान धारा प्रवाहित करते रहेंगे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि जनरल (डॉ.) वी. के. सिंह जी ने शोभायात्रा के शुभारम्भ की घोषणा की। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष, पूर्व कुलपति प्रो. यू. पी. सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। इसी क्रम में एन. सी. कैडेट्स द्वारा मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

समारोह का मुख्य आकर्षण शोभा यात्रा, राष्ट्रगीत के साथ प्रारम्भ हुई। शोभा यात्रा में अलग–अलग सस्थाओं की छात्र–छात्राएं अपने गणवेश में, राष्ट्रगीतों की धुन पर बजते बैंड, विविध झांकियाँ आकर्षण का केन्द्र रहीं। शोभा यात्रा में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अरोग्यधाम बालापार के 102 यूपी बटालियन की प्रथम यूनिट के परेड की सलामी लेते हुए केंद्रीय मंत्री जनरल वी. के. सिंह ने कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के प्रति संकल्पित किया। शोभा यात्रा में एन.सी.सी. परेड को देखकर कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपई जी ने प्रसन्नता व्यक्त कर कैडेट्स को प्रोत्साहित किया। एनसीसी के सी. टी. ओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव और ए. एन. ओ. डॉ. हरी कृष्ण के नेतृत्व में कैडेट्स ने शोभायात्रा में उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया।

संस्थापक समारोह में महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस., डॉ. डी .एस. अजीथा, अधिष्ठाता, डॉ. सुनील कुमार सिंह, अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. शशिकांत, डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अमित दुबे, धनंजय पांडे, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव सहित समस्त प्राध्यापकों ने कैडेटस का उत्साहवर्धन किया। शोभायात्रा में कैडेट्स सागर जायसवाल, आदर्श मौर्या, आदित्य विश्वकर्मा, अमित कुमार चौधरी, अनुभव, आशुतोष मणि त्रिपाठी, भानु प्रताप सिंह, हरेश्व कुमार साहनी, कृष्णा त्रिपाठी, मोतीलाल, प्रियेश राम त्रिपाठी, सागर यादव, संदीप निषाद, शिवम सिंह, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष सिंह, अमृता कन्नौजिया, अंशिका सिंह, अनुष्का गुप्ता, दक्षाबानो, गौरी कुशवाहा, जयश्री शर्मा, खुशी, खुशी गुप्ता, निधि साहनी, निकिता गौड, पूजा सिंह, ऋतु मौर्या, साक्षी प्रजापति, संजना शर्मा, शालनी चौहान, श्रद्धा उपाध्याय, आंचल पाठक, अस्मिता सिंह, चांदनी निषाद, प्रीति शर्मा ने परेड कर शोभा यात्रा में शामिल हुए। समारोह का संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह ने तथा आभार ज्ञापन महाराणा प्रताप प्रताप इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य, डॉ. अरूण कुमार सिंह ने किया।

इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम, बालापार, गोरखपुर के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की माननीय कुलपति प्रो. पूनम टण्डन, ब्रिगेडियर डॉ. डी. सी. ठाकुर, माननीय सांसद, श्री रविकिशन शुक्ल, माननीय विधायक श्री बिपिन सिंह, श्री महेन्द्र पाल सिंह, श्री प्रदीप शुक्ला, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण श्री राजेश मोहन सरकार श्री धर्मेन्द्र सिंह, श्री प्रमोद कुमार चौधरी, श्री अनन्य प्रताप शाही, श्री ज्योति प्रकाश मस्करा, श्री रेवती रमण दास अग्रवाल, श्री प्रमथनाथ मिश्र, श्री राम जन्म सिंह, योगी कमलनाथ जी, महंत रविन्द्र दास जी, महंत सतुआ बाबा, शिक्षा परिषद के समस्त संस्थाध्यक्ष शिक्षक एवं विद्यार्थीगण के साथ नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

सड़क सुरक्षा अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

छात्र शिवम पाण्डेय

दिनांकः **12 दिसम्बर, 2023** को सड़क सुरक्षा अभियान गोरखपुर के परिक्षेत्र द्वारा सड़क जागरूकता के लिए आयोजित मंडल स्तर भाषण प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक शिवम पाण्डेय ने भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया। रोड सेफ्टी क्लब के द्वारा आयोजित इस मण्डल स्तरी प्रतियोगिता में महराजगंज गोरखपुर कुशीनगर देवरिया के छात्रो ने दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सहजनवा में प्रतिभाग किया। शिवम ने अपनी इस जीत के लिए कुलपति जी, कुलसचिव महोदय, सड़क सुरक्षा अभियान के नोडल अधिकारी श्री धनंजय पांडे सम्बन्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय डॉ. सुनील सिंह राष्टीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे और सभी शिक्षक को आभार ज्ञापित किया कि विश्वविद्यालय के द्वारा हम सभी को इस प्रकार के अवसर उपलब्ध कराये जाते है जिससे हम सभी इस उपलब्धियों को प्राप्त कर सकते है।

कम्बल वितरण

राष्ट्रीय सेवा योजना

जरूरतमंदो को कम्बल वितरित करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई साथ में एनएसएस की अधिकारीगण

दिनांक : 21 दिसंबर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा बढ़ते ठण्ड के प्रकोप को देखते हुए कम्बल वितरण किया गया। आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई के द्वारा आस–पास के ज़रुरतमंदों को कम्बल प्रदान किया गया एवं सभी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ठण्ड से बचाव आवश्यक है। हम सभी को दृढ संकल्पित होना चाहिए कि हम हर ज़रुरतमंदों की मदद करें। हमारा विश्वविद्यालय सामाजिक मूल्यों एवं समाज सेवा के लिए सदैव तत्पर है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समंवयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकाश यादव एवं समस्त शिक्षक उपस्थित रहें।

विकसित भारत @2047 : पोस्टर प्रतियोगिता

महंत अवैद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

दिनांक : 22 दिसंबर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में भारत सरकार द्वारा संचालित विकसित भारत /2047 योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय में छात्र–छात्राओं ने पोस्टर प्रदर्शनी कार्यक्रम में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यकम की अध्यक्षता श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव, प्राचार्य, महंत अवैद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज ने की। स्पर्धा के मूल्यांकन का दायित्व श्री श्रीकांत, डिप्टी रजिस्ट्रार, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, डॉ. शशिकांत सिंह, प्राचार्य, औषधि संकाय, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय एवं श्री अभिनव सिंह राठौड़, असिस्टेंट प्रोफेसर, महंत अवैद्यनाथ पैरामेडिकल संकाय पर रहा। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में समस्त पैरामेडिकल के शिक्षकों ने विशेष भूमिका निभाई।

पोस्टर प्रस्तुति देतीं हुई पैरामेडिकल की छात्रा

विकसित भारत @2047 : पोस्टर प्रतियोगिता

महंत अवैद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

विद्यार्थियों को विकसित भारत @ 2047 योजना की जानकारी देते श्री शुभम कुमार मौर्य

दिनांक : 25 दिसंबर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति महोदय सेवानिवृत जनरल डॉ. अतुल बाजपेई जी की अध्यक्षता और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी के मार्गदर्शन में भारत सरकार द्वारा संचालित विकसित भारत /2047 योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को अपने रचनात्मक विचारों को प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में सभी विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकगण उपस्थित रहें।

मतदाता पहचान पत्र : प्रशिक्षण शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना

विद्यार्थियों को ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण प्रशिक्षण देते शिक्षकगण

दिनांक : 29 दिसंबर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु श्री गोरक्ष नाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, कुलसचिव, डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा जी के कुशल नेतृत्व में नर्सिंग के विद्यार्थियों का ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण कराया गया।

प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा जी युवा विद्यार्थियों को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि समृद्ध लोकतंत्र के लिए शत–प्रतिशत मतदाता का एक वोट बहुमूल्य होता है। वोट की शक्ति को पहचाने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय द्वारा संकल्पित शत–प्रतिशत मतदाता पंजीकरण का अभियान अद्भुत है। इससे राष्ट्र संकल्प में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी । विश्वविद्यालय के निर्वाचक नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की भारत सरकार निर्वाचक आयोगदेश भर के सभी मतदान क्षेत्रों में 18 वर्ष की आयु ग्रहण कर चुके सभी पात्र मतदाताओं की पहचान कराके वोट प्रतिशत दर में वृद्धि के लक्ष्य की ओर संकल्पित है ।

भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है। इसलिए हर एक व्यक्ति का वोट राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बनता है।

ऑनलाइन मतदाता शिविर उत प्राचार्य डॉ. डी. एस. अजीथा, उपप्राचार्या श्रीमती प्रिंसी जार्ज, पी. आर. लीगो सिंशी, सोमा दास, शिवम प्रजापति, श्री प्रभु, सुश्री स्वेता अलबर्ट, अक्षय अलबर्ट, प्रिया सिंह, नैंसी, कविता साहनी, सुश्री ममता, श्रीमती संगीता जी ने नर्सिंग स्टॉफ विद्यार्थियों का ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण करने में सहयोग किया।

ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण शिविर में मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, निर्वाचक योद्धा शिवम पांडे, निलेश यादव, आदित्य प्रियदर्शी ने विद्यार्थियों को मतदाता पंजीकरण हेतु प्रोत्साहित कर शत–प्रतिशत मतदाता बनने में सहयोग किया।

साहसिक कार्यक्रम शिविर-हिमांचल प्रदेश

राष्ट्रीय सेवा योजना

दिनांक : 30 दिसंबर, 2023 को युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय क्षेत्रीय निदेशालय, (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड) द्वारा अटल बिहारी बाजपेई पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान पोंगडेम हिमांचल प्रदेश में दिनांक 01 जनवरी, 2024 से दिनांक 10 जनवरी, 2024 साहसिक कार्यक्रम शिविर 2024 (चौथा दल) में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों के दल का चयन किया गया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय से कुल 5 स्वयंसेवकों का चयन किया गया है जिसमें सुशांत सिंह, प्रिंस प्रशांत गुप्ता, शुभंकर वत्स, खुशी वर्मा, नित्या सिंह एवं कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडे साहसिक कार्यक्रम शिविर 2024 (हिमाचल प्रदेश) में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस शिविर में विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य और उद्देश्य से समृद्ध होकर विश्वविद्यालय एवं समाज की गतिविधियों को संचालित करने में सहयोग करेंगे।

साहसिक शिविर दल ने 30 जनवरी 2023 को गोरखपुर से हिमाचल प्रदेश के लिए प्रस्थान किया। दल के सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एन. एस. मंजूनाथ जी ने कहा

साहसिक शिविर में प्रतिभाग करने हेतु रवाना होते विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

की सशक्त राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। साहसिक शिविर से स्वयंसेवकों को आत्मनिर्भर और विपरीत परिस्थितियों में स्वयं को तैयार रखने में मार्ग प्रशस्त करेगा । साहसिक शिविर दल को कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित सभी प्राचार्य, अधिष्ठता एवं शिक्षकों ने शुभकामना दी।

मतदाता पंजीकरण विवरण

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

दिनांक : 31 दिसंबर, 2023। लोकतंत्र के महायज्ञ को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने बड़ी पहल की है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने हर शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी (18 वर्ष से ऊपर के) हेतु मतदाता बनना अनिवार्य किया है। विवि प्रशासन द्वारा यह अनिवार्यता लागू किए जाने के बाद 15 से 30 दिसम्बर के बीच विश्वविद्यालय में 1761 नए मतदाता बने हैं। इनमें से 1300 से अधिक मतदाता 2022 या 2023 में 18 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले विद्यार्थी हैं।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोगों व विश्वस्तरीय गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। अब इस विश्वविद्यालय ने लोकतंत्र के महायज्ञ यानी चुनाव को लेकर देश के पात्र नागरिकों की जागरूकता बढ़ाने का बीड़ा भी उठा लिया है। इसके तहत विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले दिनों एक आदेश जारी कर सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए मतदाता होने की अनिवार्यता कर लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प लिया है। पिछले 15 से 30 दिसम्बर तक विश्वविद्यालय में अभियान चलाकर कुल 1761 नए युवा मतदाता बनाया गया। इनमें 1300 से अधिक छात्र–छात्राएं ऐसी रहीं जिन्होंने 2022 या 2023 में अपना 18 वां जन्मदिन मनाया है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव ने कहा कि युवा विद्यार्थियों कामतदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला है। विश्वविद्यालय प्रशासन की इस पहल को उन्होंने हाथों हाथ लिया और बढ़चढ़ कर अपने साथियों को जल्द से जल्द मतदाता बनने के लिए जागरूक किया। विश्वविद्यालय छात्रावास में रहने वाले कुछ छात्र स्थानीय पते तो कुछ अपने मूल निवास स्थान के पते से मतदाता बने हैं। इस अभियान का उद्देश्य मतदान के लिए पात्र नागरिकों को अनिवार्य रूप से मतदाता बनाना है ताकि वे अच्छी पढ़ाई के साथ. साथ मजबूत लोकतंत्र की स्थापना में अपना योगदान दे सकें। एक नागरिक और मतदाता के तौर पर सक्रिय रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव ने बताया कि विश्वविद्यालय में इस अभियान की सफलता के बाद निर्णय लिया गया है कि अब महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सभी संस्थाओं में इसे लागू किया जाएगा। एक अनुमान के मुताबिक इस अभियान से 2022 या 2023 में 18 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले करीब 35 से 40 हजार युवा पहली बार मतदाता बनेंगे। डॉ. राव ने बताया कि मतदाता बनने का अभियान उन मोहल्लोंए कस्बों, गांवों में भी चलाया जाएगा जहां महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाएं सेवाए चिकित्सा और शिक्षा के प्रसार में योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि उच्च शिक्षा क्षेत्र की अन्य संस्थाएं भी अपने स्तर पर ऐसा अभियान चलाती हैं तो लोकतंत्र में बड़ी संख्या में युवा मतदाताओं की भागीदारी को बढ़ाया जा सकता है।

मतदाता जागरूकता अभियान में प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस., डॉ. डी. एस. अजिथा, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. शशिकांत, डॉ. रोहित श्रीवास्तव सहित निर्वाचक योद्धा शिवम कुमार पांड, शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, सिद्धि सिन्हा, शिवम सिंह, राहुल वर्मा, निकिता श्रीवास्तव, अंकिता तिवारी और निलेश कुमार यादव ने सहयोग किया।

बैठक-राष्ट्रीय सेवा योजना

दिनांक : 26 दिसंबर, 2023 को माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई के अध्यक्षता में एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्यवक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे की उपस्थिति में कार्य प्रणाली एवं कार्य योजना के संदर्भ में बैठक आयोजित की गई। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के कुशल संचालन हेतु पांच रिक्त अंशकालिक कार्यक्रम अधिकारी के नियुक्ति प्रक्रिया प्रारम्भ करने की अनुमति स्वीकृति मिली एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में संचालित हो रही आठों इकाईयों का नाम परिवर्तित किया गया। जो निम्नलिखित हैं–

इकाई सं0	इकाई कोड	पूर्ववर्ती इकाई का नाम	परिवर्तित इकाई का नाम
1	UP-80/001/23/001	महायोगी आदिनाथ इकाई	पारिजात इकाई
2	UP-80/002/23/101	महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई	अष्टवक्र इकाई
3	UP-80/003/23/201	महायोगी उदयनाथ इकाई	आर्यभट्ट इकाई
4	UP-80/004/23/301	महायोगी संतोषनाथ इकाई	नचिकेता इकाई
5	UP-80/005/23/401	महायोगी अचल–अचम्बेनाथ इकाई	माता अनुसूइया इकाई
6	UP-80/006/23/501	महायोगी गजकन्थड़नाथ इकाई	गार्गी इकाई
7	UP-80/007/23/601	महायोगी चौरंगीनाथ इकाई	मैत्रेयी इकाई
8	UP-80/008/23/701	महायोगी सत्यनाथ इकाई	सबरी इकाई

राष्ट्रीय सेवा योजना की उपलब्धियाँ

25 मार्च, 2023 – जी–20, राष्ट्रीय सम्मेलन

किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ में प्रतिभाग, स्वयंसेवक शिवम पाण्डेय द्वारा प्रतिभाग किया गया।

25 मई, 2023–युवा उत्सव' India/2047

बीआरडी, गोरखपुर में 'युवा उत्सव' India/2047 कार्यक्रम मोबाइल फोटोग्राफी में नितेश प्रताप सिंह, प्रथम अर्पित कुमार सरोज ने द्वितीय स्थान तथा जान्हवी राय को पेन्टिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

02 अक्टूबर, 2023– निबंध प्रतियोगिता

जिला विधिक प्राधिकरण दीवानी न्यायालय द्वारा आयोजित जनपद स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में स्वयंसेवक शिवम पाण्डेय प्रथम स्थान एवं स्वयंसेविका प्रीती गुप्ता तृतीय स्थान

31 अक्टूबर, 2023–'मेरी माटी, मेरा देश'

'मेरी माटी, मेरा देश' में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक शिवम पाण्डेय ने किया।

20 नवम्बर से 29 नवम्बर 2023-पूर्व गणतन्त्र दिवस परेड शिविर-2024

पूर्व गणतन्त्र दिवस परेड शिविर–2024 (देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार) के लिए दो स्वयंसेविका अंजली सिंह एवं शगुन शाही का चयन किया गया, जिसमें दोनो स्वयंसेविकाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया था।

05 दिसम्बर, 2023 – सड़क सुरक्षा अभियान:प्रतियोगिता

जनपद स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में स्वयंसेवक शिवम पाण्डेय द्वितीय स्थान एवं रुचि शुक्ला तृतीय स्थान प्राप्त किया।

12 दिसम्बर, 2023 – सड़क सुरक्षा अभियान:प्रतियोगिता

मण्डल स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसंवक शिवम पाण्डेय द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

29 दिसम्बर, 2023 – राष्ट्रीय यूवा उत्सव–2024

12 से 16 जनवरी, 2024–27वें राष्ट्रीय युवा उत्सव–2024 नासिक महाराष्ट्र में प्रतिभाग करने के लिए दो स्वयंसेवक आलोक सिंह व विजय चौधरी एवं एक कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकाश कुमार यादव का चयन किया गया।

30 दिसम्बर, 2023–साहसिक कार्यक्रम शिविर:चयनित प्रतिभागी

साहसिक कार्यक्रम शिविर–2024 (01 से 10 जनवरी, 2024, अटल बिहारी बाजपेई पर्वतारोहण एवं सम्बद्ध खेल संस्थान,पोगडेम, हिमाचल प्रदेश) में पांच स्वयंसेवक एवं एक कार्यक्रम अधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की उपलब्धियों की झलकियाँ

स्वच्छता पखवाड़ा

भाषण प्रतियोगिता का पुरस्कार प्राप्त करता विद्यार्थी

युवा उत्सव India/2047

डिजिटल फोटोग्राफी प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त करता विद्यार्थी

जी-20 सम्मेलन, के.जी.एम.यू. लखनऊ

विश्वविद्यालय का नेतृत्व करता विद्यार्थी

दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय कुलपति एवं स्वयंसेविकाएं

पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर के पश्चात् प्रशस्ति पत्र वितरित करती माननीय कुलपति प्रो. पूनम टण्डन

साहसिक कार्यक्रम शिविर -2024

साहसिक कार्यक्रम शिविर हिमांचल प्रदेश हेतु चयनित प्रतिभागी

युवा उत्सव India/2047

युवा उत्सव कार्यक्रम में पुरस्कृत हुए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

आजादी के अमृत महोत्सव समापन समारोह

'मेरी माटी, मेरा देश'

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करता विद्यार्थी शिवम पाण्डेय

पूर्व गणतंत्र शिविर हरिद्वार

क्षेत्रीय निदेशक एस. कबीर जी के साथ स्वयंसेविका अंजली एवं शगुन

विश्वविद्यालय स्तर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा वर्ष-2023 मे आयोजित प्रतियोगिताएँ

22 मई, 2023-जैव विविधता दिवस : प्रतियोगिताएं

22 मई, 2023 दिन विश्वविद्यालय में जैव विविधता दिवस पर आयोजित निबंध लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता में 85 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। भाषण प्रतियोगिता में शिवम् पाण्डेय प्रथम, अदिति सिंह द्वितीय एवं अदिति सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

25 मई, 2023

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी उदयनाथ इकाई द्वारा 'विश्व थायराइड दिवस' पर 'मानव स्वास्थ्य और थायराइड का महत्व' विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में अंजू विश्वकर्मा प्रथम, शिवांगी पाठक द्वितीय एवं बन्दना सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

29 अगस्त, 2023 – वॉलीबाल प्रतियोगिता

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत 'मेजर ध्यानचंद' की जयंती एवं 'राष्ट्रीय खेल दिवस' पर वॉलीबाल प्रतियोगता का हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों के स्वंय सेवको ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

16 सितंबर, 2023 – भाषण और चित्रकला की प्रतियोगिता

विश्वविद्यालय में उदयनाथ इकाई के तत्वाधान में संबंध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में विश्व ओजोन दिवस पर आयोजित भाषण और चित्रकला की प्रतियोगिता में शिवम पांडेय, शगुन, विंध्यवासिनी एवं प्रितेश ने भाषण में प्रतिभाग किया। जिसमें दुर्गेशनंदिनी प्रथम, शिवानी सिंह द्वितीय एवं अर्चिता गुप्ता व शिवानी तृतीय स्थान पर रहीं।

19 सितंबर, 2023- प्रतियोगिताएं

विश्वविद्यालय में सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय एवं दीप्तिमान संस्कृति फाउंडेशन के गणेश चतुर्थी पर संयुक्त तत्वावधान में 'गणपति बप्पा मोरया प्रदर्शनी' और 'ऑन द स्पष्ट' आयोजित प्रतियोगिता में अल्का कुशवाहा प्रथम, सानिया विश्वकर्मा द्वितीय, अरचिता गुप्ता तृतीय, अमरजीत, दुर्गेश नंदनी साहनी, एवं निकिता गोंड को सांत्वना पुरस्कार मिला।

02 अक्टूबर 2023 – निबंध प्रतियोगिता

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीवानी न्यायालय गोरखपुर द्वारा आयोजित स्वच्छता जागरुकता अभियान के अन्तर्गत आयोजित निबंध प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयसेवक शिवम पांडेय प्रथम स्थान एवं प्रीति गुप्ता तृतीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय मान.सम्मान बढ़ाया।

05 दिसंबर, 2023- सड़क सुरक्षा अभियान (जनपद स्तरीय)

जनपद स्तर पर सड़क सुरक्षा अभियान द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित किया गया, जिसमें भाषण प्रतियोगिता शिवम पाण्डेय, नीरज पासवान ने प्रतिभाग किया और शिवम् प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में शिवानी सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

12 दिसंबर, 2023- सड़क सुरक्षा अभियान (मण्डल स्तरीय)

मंडल स्तर पर सड़क सुरक्षा अभियान द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित किया गया, जिसमें भाषण प्रतियोगिता शिवम पाण्डेय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

06 नवम्बर, 2023–मतदाता जागरूकता अभियान

विश्वविद्यालय में निर्वाचन आयोग द्वारा संकल्पित मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत 'मेरा वोट मेरा अधिकार, चलो मतदान कर' विषय पर मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

08 नवम्बर, 2023 – मतदाता जागरूकता अभियान

विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा वर्ष-2023 में आयोजित किए गए कार्यक्रम

15 अगस्त 2023 – गॉर्ड ऑफ ऑनर

15 अगस्त 2023 को स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय कैडेट्स कोर द्वारा कुलपति जी को गार्ड आफ आनर दिया गया साथ ही आयोजन में कैड्टस ने सक्रिय भूमिका निभाया।

30 सितंबर, 2023 – नशा मुक्ति अभियान

30 सितंबर 2023 को विश्वविद्यालय में डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ. हरी कृष्ण की देखरेख में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

05 अक्टूबर, 2023– रक्तदान शिविर

प्रथम रक्तदान शिविर में राष्ट्रीय कैडेट्स कोर के सी.टी.ओं. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव सहित कुल राष्ट्रीय कैडेट कोर के 15 कैड्ट्स ने रक्तदान किया।

14 अक्टूबर 2023 – मिशन शक्ति रैली

14 अक्टूबर 2023 को मुख्य अतिथि राज्य सम्पर्क अधिकारी डॉ. मंजू सिंह एवं विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति एवं कुलसचिव जी की उपस्थिति में विश्वविद्यालय परिसर से मिशन शक्ति रैली ग्राम सोनबरसा तक आयोजित की गई।

21 अक्टूबर, 2023– रक्तदान शिविर

द्वितीय रक्त दान शिविर में कैडेट्स सागर जायसवाल, अनामिका सिंह, आदित्य सिंह, अमित कुमार, हर्स्व कुमार साहनी, भानु प्रताप सिंह सहित राष्ट्रीय कैडेट कोर के 14 कैडेट्स ने रक्तदान किया

31 अक्टूबर, 2023– रन फॉर यूनिटी

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन विश्वविद्यालय के माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के उपस्थिति में डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ. हरी कृष्ण के नेतृत्व में किया गया।

अंजली सिंह

अनुभव

मै अंजली सिंह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एम.एस.सी. मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी द्वितीय वर्ष की छात्रा हूं, विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की 8 इकाइयां संचालित हैं जिसमें महायोगी उदयनाथ इकाई के द्वितीय वर्ष की स्वयं सेविका के रूप में जुड़ने का सौभाग्य मिला जहाँ राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समंवयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे एवं कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय के कुशल नेतृत्व में निरंतर अपने व्यक्तित्व को निखारने का अवसर मिला।

भारत सरकार युवा खेल कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 26 जनवरी गणतंत्र दिवस परेड का कार्यक्रम दिल्ली के राजपथ पर आयोजित किया जाता है इसके लिए चयन हेतु पूर्व गणतंत्र दिवस परेड का आयोजन किया जाता है जिसकी चयन प्रक्रिया पंडित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर में आयोजित किया गया था। इस प्रक्रिया में तीन चरणों में चयन हुआ दौड़ परेड तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से दो स्वयं सेविकाओं का चयन हुआ जिसमें मैं अंजली सिंह तथा मेरी सहपाठी शगुन शाही का चयन किया गया। 18 अक्टूबर को हम सभी पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर के लिए के लिए अन्य छः स्वयं सेविकाओ के साथ हरिद्वार के लिए ट्रेन से प्रस्थान किए। यह 10 दिवसीय शिविर उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। इस शिविर में अन्य छः राज्य की स्वयं सेविकाओं ने भी भाग लिया जिसमें कुल 200 स्वयं सेविकाओं के साथ शिविर का शुभारंभ हुआ। इस 10 दिवसीय शिविर में हमें नियमित नवाचार एवं संस्कारो से बहुत कुछ नया सीखने को मिला।

शिविर में हम सुबह 5:00 बजे उठकर प्रभात फेरी करते थे जिसका उद्देश्य अपने आसपास के लोगों को सुबह जल्दी उठना सीखाना। उसके उपरांत सुबह 6:00 से 7:30 बजे तक योग व प्राणायाम अभ्यास कराया जाता जिससे हमें पूरे दिन बिना थके कार्य करने की ऊर्जा प्राप्त होती थी, तत्पश्चात प्रातः 8:30 से 12:00 बजे तक परेड एवं 2:00 बजे से 5:00 तक परेड अभ्यास होता था। साथ ही इस बीच 1 से 2:00 बजे तक हमारा शैक्षणिक सत्र होता था जहां रोज नई-नई चीज़ सीखने को मिलती थी जिसमें खेल प्रतियोगिता क्विज कम्पटीशन आदि सम्मिलित थे। शैक्षणिक सत्र के दौरान ही हमें दो दिन का नमामि गंगे के तहत प्रशिक्षण भी दिया गया और हमने गंगा प्रहरी बनाकर शपथ लिया कि हम गंगा को स्वच्छ एवं सुंदर बनाएंगे। शाम 6:00 से 9:00 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम होता था। जिसमें छः अन्य राज्यों की सभी स्वयं सेविकाएं प्रतिभा करती थी। जिससे हमें अन्य राज्यों की संस्कृति को और अच्छे से जानने का अवसर मिला। इस शिविर के दौरान हमें एक दिन का ऋषिकेश तथा हरिद्वार का टूर कराया गया इस टूर के दौरान हमें लक्ष्मण झूला तथा गंगा आरती देखने का अवसर मिला तथा उत्तराखंड के शांत वातावरण और प्रकृति से जुड़ने का मौका मिला। इस शिविर में हमें अनुशासन तथा समय का सदुपयोग करने की शिक्षा दी गई। इस शिविर के चयन प्रक्रिया से लेकर सफलतापूर्वक कैम्प से वापस आने तक हमारे कार्यक्रम अधिकारी तथा विश्वविद्यालय ने हमारे मार्गदर्शन में अहम भूमिका निभाई है मेरे सफल मार्गदर्शन के लिए मैं मैं हमारे विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारीगण, कुलपति जी एवं कुलसचिव जी की सदा आभारी रहूंगी कि उन्होंने मुझे इस अवसर को प्रदान किया।

शगुन शाही

अनुभव

मैं शगुन शाही महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में बीएससी बॉयोटेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष की छात्रा हूं, हमारे विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के महायोगी उदयनाथ इकाई की स्वयं सेविका हूँ हमारे राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रमुख डॉ. अखिलेश कुमार दुबे एवं कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डये जी के कुशल नेतृत्व में पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर के चयन प्रक्रिया के प्रथम चरण की चयन प्रक्रिया का आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ जिसमें हमें प्रतिभाग करने अवसर प्राप्त हुआ। जिसमें दौड़, परेड तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के विभिन्न स्तर की कठिन कसोटी के माध्यम से इस चयन प्रक्रिया के दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से 2 स्वयंसेविकाओं का चयन हुआ, जिसमें मैं शगुन शाही तथा मेरी श्रेष्ठ अंजली सिंह का चयन किया गया। इस प्रक्रिया के बाद हमें 10 दिवसीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर उत्तराखंड हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय (20 अक्टूबर से 29 अक्टूबर) में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ। गोरखपुर से अन्य छः स्वयंसेविकाओं के साथ 18 अक्टूबर को गोरखपुर से हरिद्वार के लिए ट्रेन से प्रस्थान किए। इस 10 दिवसीय परेड शिविर में हमारे दिन की शुरुआत सुबह 5:00 बजे से प्रभात फेरी से होती थी उसके बाद योग, नाश्ता, परेड, लंच, शैक्षणिक सत्र एवं संस्कृतिक कार्यक्रम आदि के साथ हमारा दिन रात्रि 10 बजे तक समाप्त होता था। शैक्षणिक सत्र के दौरान हमें दो दिन का ट्रेनिंग प्रोग्राम 'नमामि गंगे' कराया गया था जिसमें हमें सिखाया गया कि हम गंगा में रहने वाले जनजातियों का संरक्षण कैसे कर सकते हैं। परेड शिविर में छह राज्यों से आई हुई 200 स्वयंसेविकाओं के साथ सभी कार्यक्रमों में भाग लिए, जिससे बहुत कुछ नया सीखने को मिला। देवभूमि हरिद्वार स्थित विभिन्न पर्यटक स्थलों को देखने का सौभाग्य भी प्राप्त जिससे हमें अपनी संस्कृति को और पास से समझने और देखने का मौका मिला इसके लिए मैं अपने विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी गण तथा विश्वविद्यालय के कुलपति जी, मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव एवं सभी मार्गदर्शक रहें। अध्यापकगण की सदा आभारी रहूंगी जिन्होंने मुझे इस अवसर के योग्य समझा।

शिवम पाण्डेय

अनुभव

राष्ट्रीय सेवा योजना महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में दो साल पहले स्थापित हुआ और इस योजना का उद्देश्य मैं नहीं बल्कि आप से शुरू हुआ इस योजना से समाज में हर वर्ग को भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा चलाए गए हर मुहिम और कार्यक्रम से अवगत कराना और इसके साथ-साथ समाज में दिक्कत को समझना और उनका समाधान निकालना रहता लेकिन इस योजना में हर एक स्वयं सेवक जुड़ कर प्रफुल्लित रहता है और इस राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से हर एक विद्यार्थी को उसके अंदर गुण का एहसास दिलाता है कि कोई भी क्षेत्र भाषण, फोटोग्राफी , निबंध और अन्य कोई भी गुणवत्तापरख प्रतियोगिता में उसका विकास हो सकता है इस योजना में सेवा ही नहीं आप देश में अपने स्तर पर किस तरह योगदान देश के लिए कर सकते है वो समझ आता है, विद्यार्थी में कुशल नेतृत्व का विकास गुणवत्ता से कर सकता है राष्ट्रीय सेवा योजना से हर एक विद्यार्थी अपने सपने को साकार कर सकता है जो भी विद्यार्थी इस योजना से जुड़ा रहता है। स्वयंसेवक कार्यक्रम में प्रतिभाग करके व्यक्तित्व विकास के साथ राष्ट्र का प्रतिनिधत्व करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना से देश के आजादी के लिए वीरों की बलदानी के असली श्रद्धांजलि और उनके बारे में जानने को मिलता है और इस देश के लोग किस तरह अपने माटी से स्नेह करते है ये सिखाता है राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से मानव सेवा एवं राष्ट्र संकल्प के लिए प्रेरित करता है यह पढ़ाई के साथ-साथ समाज में लोगो से किस तरह संवाद करना है लोगो को दिक्कतों को समझने का ज्ञान मिलता है और किस तरह योगदान कर सकते है उनका ज्ञानवर्धन मिलता है और एक छोटे से छोटे कार्यक्रम को किस तरह हर्षोल्लास से मनाया और उनसे सीखा जाए ये सीखने को मिलता है कार्यक्रम समन्वयक खुद को एक अधिकारी न समझ कर राष्ट्रीय सेवा योजना का सदस्य समझते हैं और विद्यार्थी के हर एक मार्ग पर एवं हर मुसीबत में साथ खड़े रहते हैं तथा विद्यार्थी को उसके गुणवत्ता को पहचानने और उसे अभिप्रेरित करते हैं जिससे यह योजना असल शब्द या कागज पर नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर राष्ट्रीय सेवा योजना संचालित होती है और जिसका यह परिणाम है कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय चल रहें राष्ट्रीय सेवा योजना ने मात्र दो साल में जिला स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक कई उपलब्धियां मिली है वो युवा उत्सव में पेंटिंग हो फोटोग्राफी मिला स्थान हो और जी 20 का प्रतिनिधित्व हो 'मेरी माटी, मेरा देश' का प्रतिनिधि मंडल के रूप में शामिल होना 'स्वच्छता पखवाड़ा' में प्रथम स्थान, सड़क सुरक्षा में राज्य स्तर पर प्रतिभाग करना हो मिला हो ऐसे कई उपलब्धियां राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विद्यार्थी को। उसको गुणवत्ता और कार्यक्रम के समन्वयक अधिकारी के मार्गदर्शन मिला है ये सब राष्ट्रीय सेवा योजना से मिला है। राष्ट्रीय सेवा योजना सुरक्षा मुद्दों का मुद्रण और जागरूकता करके नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण कार्य करता है।

मंडलीय प्रातियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विवि के शिवम पांडेय को द्वितीय स्थान

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित मंडल स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक शिवम पांडेय ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है।

दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सहजनवा में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर व देवरिया के छात्रों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर शिवम पांडेय ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, सड़क सुरक्षा अभियान के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय, संबद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ सुनील सिंह और राष्टीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे के मार्गदर्शन को दिया है।

गोरखनाथ विवि के शिवम को मिला दूसरा स्थान

गोरखपुर (एसएनबी)। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से सड़क सुरक्षा अभियान के तहत आयोजित मंडल स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक शिवम पाण्डेय ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सहजनवां में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर तथा देवरिया के छात्रों ने प्रतिभाग किया था। प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर शिवम ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, सड़क सुरक्षा अभियान के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय, संबद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डा. सुनील सिंह तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डा. अखिलेश दुबे को दिया है।

गोरखनाथ विवि के शिवम पांडेय को द्वितीय स्थान

गोरखपुर। उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित मंडल स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्रों ने दमदार प्रस्तुति दी है। विवि के राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े छात्र शिवम पांडेय ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सहजनवा में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर व देवरिया के छात्रों ने प्रतिभाग किया।

रखा, माधुरी, आरती, रामरति, सरोज आदि लोग उपस्थित रहे

मंडलीय प्रातियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विवि के शिवम पांडेय को द्वितीय स्थान

गोरखपुर। उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित मंडल स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक शिवम पांडेय ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सहजनवा में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर व देवरिया के छात्रों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर शिवम पांडेय ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, सड़क सुरक्षा अभियान के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय, संबद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ सुनील सिंह और राष्टीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे के मार्गदर्शन को दिया है।

मंडलीय प्रातियोगिता में शिवम पांडेय को द्वितीय स्थान

गोरखपुर।(स्पष्ट आवाज)। उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित मंडल स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक शिवम पांडेय ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है।दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सहजनवा में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर व देवरिया के छात्रों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर शिवम पांडेय ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, सड़क सुरक्षा अभियान के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय, संबद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ सुनील सिंह और राष्टीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे के मार्गदर्शन को दिया है।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी 15 से

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 15 दिसंबर से होगी। इसमें कई राज्यों से प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सहभागी बनेंगे। 'एडवांसेज एंड अपरच्युनिटीज इन ड्रग डिस्कवरी फ्राम नेचुरल प्रोडक्ट्स' विषयक संगोष्ठी की तैयारी चल रही है। मंगलवार को बैठक कर तैयारी की समीक्षा की गई। कुलपति मेजर जनरल डा.अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह संगोष्ठी विद्यार्थियों के लिए सार्थक सिद्ध होगी। कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि कई विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। –विज्ञप्ति

मंडलीय प्रातियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विवि के शिवम पांडेय को द्वितीय स्थान

गोरखपुर। उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित मंडल स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक शिवम पांडेय ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सहजनवा में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर व देवरिया के छात्रों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर शिवम पांडेय ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, सड़क सुरक्षा अभियान के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय, संबद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ सुनील सिंह और राष्टीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे के मार्गदर्शन को दिया है।

महायोगी गोरखनाथ विवि में पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन

न्याय आपका संवाददाता

न्याय आपका संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को भारत सरकार द्वारा संचालित विकसित भारत @2047 योजना के अंतर्गत पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में डिप्टी रजिस्ट्रार श्रीकांत, औषधि संकाय के डॉ. शशिकांत सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर अभिनव सिंह राठौड़ ने प्रदर्शनी में लगे पोस्टरों का अवलोकन व मूल्यांकन किया। आयोजन में पैरामेडिकल के शिक्षकों ने विशेष भूमिका निभाई।

महायोगी गोरखनाथ विवि में पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को भारत सरकार द्वारा संचालित विकसित भारत /2047 योजना के अंतर्गत पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कलेज के प्राचार्य रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में डिप्टी रजिस्ट्रार श्रीकांत, औषधि संकाय के डा. शशिकांत सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर अभिनव सिंह राठौड़ ने प्रदर्शनी में लगे पोस्टरों का अवलोकन व मूल्यांकन किया। आयोजन में पैरामेडिकल के शिक्षकों ने विशेष भूमिका निभाई।

महायोगी गोरखनाथ विवि ने किया कम्बल वितरण

स्वतंत्र चेतना, नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना की तरफ से ठंड के बढ़ते ठण्ड के प्रकोप को देखते हुए कम्बल वितरण किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि अपने आसपास जरूरतमंद लोगों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि ठंड से बचाव के लिए कम्बल वितरण एक पुनीत कार्य है। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय सामाजिक मूल्यों एवं समाज सेवा के लिए सदैव तत्पर है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास यादव एवं समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन

संवाददाता

गोरखपुर, 22 दिसंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में

शुक्रवार को भारत सरकार द्वारा संचालित विकसित भारत /2047 योजना के अंतर्गत पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में डिप्टी रजिस्ट्रार श्रीकांत, औषधि संकाय के डॉ. शशिकांत सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर अभिनव सिंह राठौड़ ने प्रदर्शनी में लगे पोस्टरों का अवलोकन व मूल्यांकन किया। आयोजन में पैरामेडिकल के शिक्षकों ने विशेष भूमिका निभाई।

एड्स रोगियों के प्रति रखें संवेदना का भाव : डॉ. संदीप

☐ महायोगी गोरखनाथ विवि में रासेयो की तरफ से हुए जागरूकता के विविध आयोजन

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। विश्व एड्स दिवस पर शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की विभिन्न इकाइयों की तरफ से हुए आयोजनों में एड्स के प्रति जागरूक किया गया। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में आयोजित कार्यक्रम में सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एड्स रोगी के प्रति घृणा भाव रखने की बजाय संवेदना व स्नेह का भाव रखना चाहिए। एड्स का संक्रमण न बढ़े, इसके लिए अधिकाधिक लोगों को जागरूक करने की जरूरत है।

इस अवसर पर राष्ट्रसेवी की उदयनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने छात्रों को जागरूक करते हुए सतकर्ता संबंधी उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम में कई विद्यार्थियों ने भी अपनी बात रखी। आयोजन में प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील सिंह, डॉ.अनुपमा ओझा, डॉ आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ.पवन कनौजिया, डॉ अखिलेश दूबे, अनिल मिश्रा आदि उपस्थित रहे। रासेयो को महायोगी मत्स्येंद्रनाथ इकाई की तरफ से आयुर्वेद कॉलेज में आयोजित व्याख्यान में अतिथि व्याख्याता डॉ. शंकर दयाल उपाध्याय ने एड्स के लक्षण, परीक्षण, चिकित्सा एवं बचाव हेतु किए जाने वाले आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर वरिष्ठ सह-प्राध्यापक डॉ. विनम्र शर्मा ने चिकित्सीय कार्य के दौरान असावधानीवश एड्स जैसी बीमारियों के संक्रमण व इससे बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एवं समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पैरामेडिकल कॉलेज में रासेयो की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य रोहित कुमार श्रीवास्तव, सोनू कुमार, कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता व विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

महायोगी गोरखनाथ विवि ने किया कम्बल वितरण

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना की तरफ से ठंड के बढ़ते ठण्ड के प्रकोप को देखते हुए कम्बल वितरण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि अपने आसपास जरूरतमंद लोगों का ध्यान रखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ठंड से बचाव के लिए कम्बल वितरण एक पुनीत कार्य है। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय सामाजिक मूल्यों एवं समाज सेवा के लिए सदैव तत्पर है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप

कुमार राव, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास यादव एवं समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

एड्स रोगियों के प्रति रखें संवेदना का भाव : डॉ. संदीप

गोरखपुर। विश्व एड्स दिवस पर शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की विभिन्न इकाइयों की तरफ से हुए आयोजनों में एड्स के प्रति जागरूक किया गया। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में आयोजित कार्यक्रम में सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एड्स रोगी के प्रति घृणा भाव रखने की बजाय संवेदना व स्नेह का भाव रखना चाहिए। एड्स का संक्रमण न बढ़े, इसके लिए अधिकाधिक लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। इस अवसर पर राष्ट्सेयो की उदयनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने छात्रों को जागरूक करते हुए सतकर्ता संबंधी उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम में कई विद्यार्थियों ने भी अपनी बात रखी। आयोजन में प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील सिंह, डॉ.अनुपमा ओझा, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ.पवन कनौजिया, डॉ. अखिलेश दूबे, अनिल मिश्रा आदि उपस्थित रहे। रासेयो को महायोगी मत्स्येंद्रनाथ इकाई की तरफ से आयुर्वेद कॉलेज में आयोजित व्याख्यान में अतिथि व्याख्याता डॉ. शंकर दयाल उपाध्याय ने एड्स के लक्षण, परीक्षण, चिकित्सा एवं बचाव हेतु किए जाने वाले आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दी।

एड्स रोगियों के प्रति रखें संवेदना का भाव : डॉ. संदीप

गोरखपुर। विश्व एड्स दिवस पर शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की विभिन्न इकाइयों की तरफ से हुए आयोजनों में एड्स के प्रति जागरूक किया गया। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में आयोजित कार्यक्रम में सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एड्स रोगी के प्रति घृणा भाव रखने की बजाय संवेदना व स्नेह का भाव रखना चाहिए। एड्स का संक्रमण न बढ़े, इसके लिए अधिकाधिक लोगों को जागरूक करने की जरूरत है।

इस अवसर पर राष्ट्सेयो की उदयनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने छात्रों को जागरूक करते हुए सतकर्ता संबंधी उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम में कई विद्यार्थियों ने भी अपनी बात रखी। आयोजन में प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील सिंह, डॉ.अनुपमा ओझा, डॉ आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ.पवन कनौजिया, डॉ अखिलेश दूबे, अनिल मिश्रा आदि उपस्थित रहे।रासेयो को महायोगी मत्स्येंद्रनाथ इकाई की तरफ से आयुर्वेद कॉलेज में आयोजित व्याख्यान में अतिथि व्याख्याता डॉ. शंकर दयाल उपाध्याय ने एड्स के लक्षण, परीक्षण, चिकित्सा एवं बचाव हेतु किए जाने वाले आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर वरिष्ठ सह-प्राध्यापक डॉ. विनम्र शर्मा ने चिकित्सीय कार्य के दौरान असावधानीवश एड्स जैसी बीमारियों के संक्रमण व इससे बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एवं समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।पैरामेडिकल कॉलेज में रासेयो की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता की शपथ दिलाई गई।

एड्स रोगियों के प्रति रखें संवेदना का भाव : डॉ. संदीप

महायोगी गोरखनाथ विवि में रासेयो की तरफ से हुए जागरूकता के विविध आयोजन

न्याय आपका संवाददाता

गोरखपुर। विश्व एड्स दिवस पर शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की विभिन्न इकाइयों की तरफ से हुए आयोजनों में एड्स के प्रति जागरूक किया गया। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में आयोजित कार्यक्रम में सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एड्स रोगी के प्रति घृणा भाव रखने की बजाय संवेदना व स्नेह का भाव रखना चाहिए। एड्स का संक्रमण न बढ़े, इसके लिए अधिकाधिक लोगों को जागरूक करने की जरूरत है।

इस अवसर पर राष्ट्सेयो की उदयनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने छात्रों को जागरूक करते हुए सतकर्ता संबंधी उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम में कई विद्यार्थियों ने भी अपनी बात रखी। आयोजन में प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील सिंह, डॉ.अनुपमा ओझा, डॉ आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ.पवन कनौजिया, डॉ अखिलेश दूबे, अनिल मिश्रा आदि उपस्थित रहे। रासेयो को महायोगी मत्स्येंद्रनाथ इकाई की तरफ से आयुर्वेद कॉलेज में आयोजित व्याख्यान में अतिथि व्याख्याता डॉ. शंकर दयाल उपाध्याय ने एड्स के लक्षण, परीक्षण, चिकित्सा एवं बचाव हेतु किए जाने वाले आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर वरिष्ठ सह-प्राध्यापक डॉ. विनम्र शर्मा ने चिकित्सीय कार्य के दौरान असावधानीवश एड्स जैसी बीमारियों के संक्रमण व इससे बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एवं समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। पैरामेडिकल कॉलेज में रासेयो की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य रोहित कुमार श्रीवास्तव, सोनू कुमार, कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता व विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in